भजन

अर्श पाना है अगर वाणी पे चलना होगा
अब हमें रूह की रहनी में उतरना होगा।

1 अर्श रूहों की तो वाणी में यही रीत कही
रखना ईमान धनी पर यही बंदगी इनकी
साहेबी दीन की पानी है तो मरना होगा

2) रूहें रहती है सदा अपने धनी के चरण तले
दीन की राह पर बल अपने पिया का लेके चले ।
मन वचन और करम से अब हमें मिटना होगा

3) रूहों की मस्ती का ये भी कभी तो आलम हो ।
अर्श नजरों में चरणों में जुड़ी आतम हो।
छुल्हा को रूह के नैनों से निरखना होगा।